पीआरजीआई से प्रदत्त पंजीयन संख्या-UAHIN/25/A3123 www.parvatprerna.com

सांध्य दैनिक

पर्वत प्रेरणा

निष्पक्ष एवं निर्भीकता के साथ सम्पूर्ण राज्य का एक संस्करण

वर्ष : 2 | अंक : 245 हल्द्वानी | शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 | मूल्य 1.00 रुपये | पृष्ठ: 8

राज्यपाल ने किया स्व-गणना अभियान का शुभारंभ

घर बैठे 33 सवालों के जवाब देकर करें जनगणना, 25 अप्रैल से घर-घर पहुंचेंगे प्रगणक

देहरादून। प्रदेश में बहुप्रतीक्षित जनगणना प्रक्रिया का पहला चरण आज से विधिवत शुरू हो गया। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान की शुरुआत राज्यपाल गुरमीत सिंह ने स्वयं ऑनलाइन स्व-गणना कर की, जबकि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी आज शाम 5 बजे इस प्रक्रिया में भाग लेकर आमजन को जागरूक करेंगे। जनगणना निदेशालय द्वारा इस बार प्रक्रिया को डिजिटल स्वरूप देते हुए नागरिकों को स्व-गणना का विकल्प दिया गया है, जिससे लोग घर बैठे ही अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

प्रदेशवासियों के लिए 10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक ऑनलाइन स्व-गणना का विशेष अवसर उपलब्ध कराया गया है। इसके लिए नागरिकों को आधिकारिक पोर्टल se.census.gov.in पर जाकर अपनी जानकारी भरनी होगी।

इस प्रक्रिया में कुल 33 सरल प्रश्नों का उत्तर देना होता है, जिनमें मकान की स्थिति, परिवार के सदस्यों की संख्या, शिक्षा, रोजगार, तथा बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी जानकारी शामिल है। स्व-गणना पूर्ण होने के बाद प्रत्येक परिवार को एक SE ID (Self Enumeration ID) प्रदान की जाएगी। यह आईडी आगे की प्रक्रिया में बेहद महत्वपूर्ण होगी।जनगणना विभाग के प्रगणक 25 अप्रैल से 24 मई के बीच घर-घर जाकर इस आईडी के माध्यम से डेटा को अपने सॉफ्टवेयर में अपलोड करेंगे और मौके पर ही उसका सत्यापन कर अंतिम एंट्री सुनिश्चित करेंगे। जनगणना निदेशक इवा आशीष श्रीवास्तव के अनुसार, इस बार की जनगणना को अधिक पारदर्शी, सटीक और समयबद्ध बनाने के लिए डिजिटल माध्यमों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। स्व-गणना की सुविधा से न केवल लोगों का समय बचेगा, बल्कि आंकड़ों की शुद्धता भी सुनिश्चित होगी।

जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि प्रदेश और देश के विकास की दिशा तय करने का आधार है। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और बुनियादी ढांचे से जुड़ी योजनाएं बनाती है। राज्य सरकार ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं और समय रहते स्व-गणना कर अपने कर्तव्य का पालन करें।

चारधाम यात्राः सुरक्षा के कड़े इंतजाम

1250 सीसीटीवी और 15 ड्रोन से होगी रखवेंगे

देहरादून। आगामी चारधाम यात्रा को लेकर उत्तराखंड पुलिस की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। इस वर्ष यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करते हुए 1250 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इनमें 92 कैमरे चारों धाम परिसरों में स्थापित होंगे, जबकि शेष कैमरे पूरे यात्रा मार्ग पर विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर लगाए गए हैं।

यात्रा के दौरान 15 ड्रोन लगातार आसमान से निगरानी करेंगे। इनमें हरिद्वार में चार, टिहरी में दो, उत्तरकाशी में तीन और चमोली जिले के मार्गों पर दो ड्रोन तैनात रहेंगे। इसके अलावा, यात्रा मार्ग पर 45 हजार से अधिक छोटे-बड़े वाहनों के लिए पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

गढ़वाल परिक्षेत्र के आईजी राजीव स्वरूप ने बताया कि यात्रा की तैयारियों को लेकर सभी जिलों में लगातार बैठकें की जा रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पूरे यात्रा मार्ग को 16 जोन, 43 सब-जोन और 149 सेक्टर में विभाजित किया गया है। यात्रा शुरू होने से सात दिन पहले ही

पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित कर दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि यात्रा मार्ग पर डेंजर जोन, बॉटलनेक और ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर लिए गए हैं। कुल 52 बॉटलनेक पॉइंट चिन्हित किए गए हैं, जिनमें सर्वाधिक 16 रुद्रप्रयाग में हैं। इसके अलावा टिहरी में 6, उत्तरकाशी में 5, हरिद्वार में 5, चमोली में 10, पौड़ी गढ़वाल में 2 और देहरादून में 8 बॉटलनेक चिन्हित किए गए हैं।

लैंडस्लाइड की दृष्टि से संवेदनशील 109 क्षेत्र भी चिन्हित किए गए हैं, जिनमें टिहरी में सर्वाधिक 50 क्षेत्र शामिल हैं। वहीं उत्तरकाशी में 20, रुद्रप्रयाग में 13 और चमोली में 18 लैंडस्लाइड जोन चिन्हित हैं। पौड़ी में 4 और देहरादून में 2 ऐसे क्षेत्र हैं। इसके अलावा कुल 274 दुर्घटना संभावित प्वाइंट भी चिह्नित किए गए हैं, जिनमें हरिद्वार में सर्वाधिक 69 स्थान शामिल हैं। सभी स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए जा चुके हैं।

पार्किंग व्यवस्था (जिलेवार)

देहरादूनः 17 स्थल 7 क्षमता – 2300 छोटे, 1680 बड़े वाहन

हरिद्वारः 17 स्थल 7 क्षमता – 39,950 छोटे, 4,880 बड़े वाहन

पौड़ीः 13 स्थल 7 क्षमता – 1455 छोटे, 750 बड़े वाहन

टिहरीः 14 स्थल 7 क्षमता – 1165 छोटे, 450 बड़े वाहन

चमोलीः 31 स्थल 7 क्षमता – 1020 छोटे, 350 बड़े वाहन

रुद्रप्रयागः 18 स्थल 7 क्षमता – 2165 छोटे, 275 बड़े वाहन

उत्तरकाशीः 6 स्थल 7 क्षमता – 1210 छोटे, 900 बड़े वाहन

अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं

टूरिस्ट पुलिस सहायता केंद्र- 57

आपदा प्रबंधन टीमें- 80 स्थानों पर

एसडीआरएफ तैनाती- 37 स्थानों पर

फायर सर्विस टीमें- 30

जल पुलिस- 32 स्थानों पर

पुलिस प्रशासन का दावा है कि इस बार चारधाम यात्रा को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तकनीक और मानव संसाधनों का समन्वय किया गया है।

डंपर से बचने के प्रयास में डिवाइडर से टकराई बस

लालकुआं। हल्द्वानी से लालकुआं की ओर आ रही इंटरसिटी बस मोटाहल्दू चौराहे पर गौला नदी से आ रहे डंपर को बचाने के चक्कर में डिवाइडर से टकरा गई, जिसमें डिवाइडर के ऊपर खड़ा विद्युत पोल भरभरा कर गिर गया, परंतु सौभाग्य से यात्रियों से खचाखच भरी बस में सवार यात्रियों को कोई नुकसान नहीं हुआ, परंतु बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जाम खुलवाया, तथा हाईवे के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर विद्युत पोल को वहां से हटाया, तथा नुकसान का आकलन किया, इस मौके पर बस में सवार यात्री उतरकर दूसरे वाहनों में सवार होकर अपने गंतव्य को रवाना हो गए। यह घटना प्रात: लगभग 11 बजे की है, और 11.30 बजे यातायात पूरी तरह सामान्य हो सका।

‘श्रमिक सेवा एप’ लॉन्च, 8005 लाभार्थियों को 17 करोड़ से अधिक राशि ट्रांसफर

धामी सरकार का श्रमिकों पर फोकस

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा विकसित ‘श्रमिक सेवा मोबाइल एप’ का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने 8005 श्रमिकों के खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 17 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों को दी जाने वाली सहायता में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ऑफलाइन व्यवस्था को समाप्त कर ऑनलाइन निस्तारण और डीबीटी प्रणाली को लागू किया गया है। उन्होंने बताया कि इस नई व्यवस्था के तहत अब तक 11,828 लाभार्थियों को 29.89 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है, जबकि आज 8005 श्रमिकों को 17.25 करोड़ रुपये वितरित किए गए। पिछले छह

महीनों में कुल 19,833 लाभार्थियों को 47.14 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रमिकों और उनके आश्रितों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि विशेषकर पर्वतीय क्षेत्रों से हो रहे पलायन को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि प्लम्बर, इलेक्ट्रिशियन, मिस्त्री और कारपेंटर जैसे कार्यों में प्रशिक्षण देकर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं।

उन्होंने यह भी कहा कि योग और वेलनेस क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए श्रमिकों के बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाए। साथ ही कौशल प्रशिक्षण के बाद श्रमिकों को विदेशों में रोजगार दिलाने के लिए भी प्रयास किए जाएं, जिसके लिए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय में पंजीकृत एजेंसियों के माध्यम से कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री ने श्रमिकों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से जोड़ने तथा उनके नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था कार्यस्थल पर ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उनके कार्य में बाधा न आए।

इस अवसर पर श्रमायुक्त पी.सी. दुम्का ने जानकारी दी कि पोर्टल के माध्यम से अब तक 16 हजार से अधिक संस्थानों का पंजीकरण हो चुका है, जिससे 80 लाख रुपये की धनराशि शुल्क के रूप में प्राप्त हुई है। साथ ही बोर्ड के पास 324 करोड़ रुपये से अधिक का सेस जमा है, जिसका उपयोग श्रमिक कल्याण के लिए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि निर्माण श्रमिकों को सामग्री वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए ऑनलाइन प्रणाली विकसित की जा रही है, जिसमें लाइव फोटो और जियो-ट्रैकिंग के माध्यम से वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम में उपायुक्त विपिन कुमार सहित बोर्ड के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

टैक्सी चालक के बेटे ने पास की एएसओ परीक्षा, क्षेत्र में खुशी की लहर

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

चंपावत। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद जिले के सिमाड़ गांव के युवा संदीप कुमार ने असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर (एसओ) परीक्षा उत्तीर्ण कर

प्रेरणादायक सफलता हासिल की है।कोयाटी ग्राम पंचायत निवासी टैक्सी चालक पुष्कर राम के पुत्र संदीप ने ऑल इंडिया में 2016वीं रैंक तथा अपनी कैटेगरी में 57वीं रैंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जनपद का नाम रोशन किया है। संदीप की प्रारंभिक शिक्षा गांव के प्राथमिक विद्यालय सैंडला सिमाड़ से हुई। बाद में उनका चयन जवाहर नवोदय विद्यालय, चंपावत में हुआ, जहां से उन्होंने पीसीएम विषय के साथ इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक किया। खास बात यह रही कि संदीप ने यह सफलता पहले ही प्रयास में हासिल की, जो उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। उनकी माता सरिता देवी, जो गृहिणी हैं, ने कठिन परिस्थितियों में भी बेटे की पढ़ाई में पूरा सहयोग दिया। संदीप की इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है और कई गणमान्य लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

अवैध एलपीजी रिफिलिंग का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

रामनगर/नैनीताल। जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत कोतवाली रामनगर पुलिस ने अवैध एलपीजी गैस रिफिलिंग व कालाबाजारी के खिलाफ बड़ी

कार्रवाई करते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजुनाथ टीसी के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में 34 छोटे-बड़े गैस सिलेंडर, रिफिलिंग उपकरण, तराजू-बांट तथा ज्वलनशील पदार्थ (डीजल) बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, खराड़ी क्षेत्र में छापेमारी के दौरान अभियुक्त अमन उर्फ भल्ला (26) व शहजाद उर्फ शैजी (23) निवासी खताड़ी को अवैध रिफिलिंग करते हुए पकड़ा गया। दोनों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। एसएसपी डॉ. मंजुनाथ टीसी ने कहा कि जनसुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सम्पादकीय

पलायन की परछाइयों में पहाड़: क्या स्व-गणना जगाएगी चेतना

उत्तराखंड के पहाड़ आज एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहां विकास और विस्थापन की कहानी साथ-साथ चल रही है। आज से शुरू हो रही स्व-गणना इस विरोधाभास को आंकड़ों में दर्ज करने जा रही है। पहली बार सरकारी स्तर पर यह स्पष्ट रूप से चिन्हित होगा कि कितने घर आबाद हैं और कितने हमेशा के लिए बंद हो चुके हैं। यह केवल एक जनगणना नहीं, बल्कि पहाड़ों के खाली होते अस्तित्व की गवाही है। पलायन उत्तराखंड का सबसे गंभीर और दीर्घकालिक संकट बन चुका है। गांवों के दरवाज़ों पर जड़े ताले केवल मकानों की खालीपन की कहानी नहीं कहते, बल्कि वे उस व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं, जिसने लोगों को अपने ही घरों से बेघर होने पर मजबूर किया। रोजगार के सीमित अवसर, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव, और बुनियादी ढांचे की कमी ये सभी कारण वर्षों से लोगों को मैदानों की ओर खींचते रहे हैं। स्व-गणना की यह प्रक्रिया इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि यह अनुपस्थित लोगों को भी गिनेगी। अब तक सरकारी आंकड़ों में केवल वे लोग शामिल होते थे जो मौजूद हैं, लेकिन इस बार वे घर भी दर्ज होंगे जहां कोई नहीं रहता। इससे पलायन की वास्तविक तीव्रता सामने आएगी।अनुमानों और दावों से परे, एक ठोस सच्चाई के रूप में, यह सच्चाई असहज करने वाली हो सकती है। हजारों गांवों में यदि बड़ी संख्या में घर खाली मिलते हैं, तो यह केवल जनसंख्या का सवाल नहीं रहेगा, बल्कि यह राज्य की विकास नीति पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करेगा। क्या योजनाएं वास्तव में पहाड़ों तक पहुंच पाईड़ क्या स्थानीय जरूरतों के अनुरूप रोजगार के अवसर सृजित किए गएड़ या फिर विकास का मॉडल ही ऐसा रहा, जिसने लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर कियाड़ पलायन का प्रभाव केवल आर्थिक नहीं है, यह सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। जब गांव खाली होते हैं, तो केवल लोग नहीं जाते उनके साथ उनकी परंपराएं, त्योहार, भाषा और सामुदायिक जीवन भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। खेत बंजर हो जाते हैं, जलस्रोत उपेक्षित रह जाते हैं और पहाड़ों की पहचान धीरे-धीरे धुंधली पड़ने लगती है। फिर भी, इस स्व-गणना को केवल निराशा के चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। यह एक अवसर भी है नीति निर्माण के लिए, आत्ममंथन के लिए और सुधार के लिए। यदि सरकार इन आंकड़ों का गंभीरता से विश्लेषण करे और पलायन प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाएं बनाए, तो स्थिति को बदला जा सकता है। स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन, पर्यटन, कृषि आधारित उद्योग, और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में निवेश से पहाड़ों में जीवन को फिर से गति दी जा सकती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब पलायन को केवल एक सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि एक नीतिगत प्राथमिकता के रूप में देखना होगा। जब तक पहाड़ों में जीवन जीने योग्य नहीं बनेगा, तब तक विकास के दावे अधूरे ही रहेंगे। अंततः, यह स्व-गणना एक आईना है जिसमें उत्तराखंड को खुद को देखना होगा। सवाल यह नहीं कि कितने घर खाली हैं, बल्कि यह है कि उन्हें फिर से बसाने की इच्छाशक्ति कितनी है। यदि इस बार भी आंकड़े केवल फाइलों में सिमट कर रह गए, तो पहाड़ों की खामोशी और गहरी होती जाएगी। अब वक्त है कि ताले गिनने के साथ-साथ उन्हें खोलने की नीति भी बनाई जाए।

महिला अपराधों की जांच 2 माह में होगी पूरी, तस्करों व गैंगस्टरों की संपत्ति होगी जब्त

आईजी कुमाउं रिद्धिम अग्रवाल ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

पिथौरागढ़। पुलिस महानिरीक्षक कुमाउं परिक्षेत्र रिद्धिम अग्रवाल ने पुलिस लाईन में आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि अब पुलिस को महिला अपराधों की जांच 2 माह में पूरी करनी होगी। नैनी सैनी एयरपोर्ट में एटीएस व पीएसी तैनात की जाएगी।

पुलिस कर्मियों की कोर्ट में गवाही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी। पुलिस लाईन में 1 माह के भीतर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम बनकर तैयार हो जाएगा।

55 करोड़ रुपए से कुमाउं मंडल के 7 जिलों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। पिथौरागढ़ पुलिस 4000 बाहरी लोगों का सत्यापन कर चुकी है। जिसके तहत फर्जी आधार कार्ड बनाने वालों पर बड़ी कार्यवाही की गई है। पुलिस कर्मियों के साथ आयोजित अपराध समीक्षा गोष्ठी में आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने पर बल दिया। एन. डी. पी. एस. एवं ड्रग तस्करी के मामलों में बड़े तस्करों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उनकी संपत्ति जब्ती की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए। गुमशुदा बच्चों की तलाश हेतु विशेष अभियान चलाकर 100 प्रतिशत बरामदगी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। आधुनिक तकनीक एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से अज्ञात शवों की शीघ्र पहचान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत चलाए जा रहे अभियान की गहन समीक्षा की गई।

आईजी द्वारा अभियान के अंतर्गत की जा रही कार्यवाहियों की प्रगति का मूल्यांकन करते हुए इसे और अधिक प्रभावी, लक्षित एवं परिणामोन्मुख बनाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने पुलिस लाईन का वार्षिक निरीक्षण, परेड का निरीक्षण तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का परीक्षण भी किया। निरीक्षण के अलावा पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई भी की। जनसुनवाई में आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। पुलिस कर्मियों की समस्याओं को सुनकर पुलिस अधिकारियों को उनकी समस्याओं पर कार्यवाही के निर्देश भी दिए गए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय फलसीमा में धूमधाम से मनाया गया 'प्रवेशोत्सव', बच्चों को बांटी गई पाठ्य सामाग्री

अल्मोड़ा। राजकीय प्राथमिक विद्यालय फलसीमा में नए शैक्षिक सत्र के शुभारंभ पर 'प्रवेशोत्सव' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा और नए प्रवेश लेने वाले बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य प्रेम लटवाल ने शिरकत की तथा अध्यक्षता ग्राम प्रधान चम्पा देवी द्वारा की गई।

अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने की अपील की।ड़मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रेम लटवाल ने सरकार द्वारा शिक्षा और समाज कल्याण के क्षेत्र में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। मध्याह्न भोजन, निःशुल्क यूनिफॉर्म और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं का मुख्य उद्देश्य हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना है।

ड़छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रेम लटवाल ने अपनी ओर से बच्चों को कॉपियाँ एवं अन्य लेखन सामग्री वितरित की। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के प्रयासों से बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि जागृत होती है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य नवीन जोशी ने विद्यालय की उपलब्धियों को साझा करते हुए नए सत्र के लिए अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत की।

सड़कों पर घूम रहे लावारिस पशु रहागीरों के लिए बने परेशानी का सबक

अल्मोड़ा। यहां नगर की सड़कों पर घूमते लावारिस पशु रहागीरों व चालकों के लिए परेशानी का सबक बने हुए हैं सड़क पर पशुओं का लगा जमावाडा दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है साथी ही जाम का कारण भी बंन रहे हैं कई बार लावारिस पशु आपसी लड़ाई में वाहनों से टकरा जाते हैं ऐसे में आये दिन दो पहिया वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं पशु सवारी की ओर से लावारिस छोड़े गए पशु एक और जाम का कारण बन रहे हैं वहीं दूसरी ओर आवाजाही के दौरान राहगीरों पर हमला कर रहे हैं ऐसी दशा में लोगों की आये दिन मुश्किलें बढ़ रही है भोजन की तलाश में पशु कूड़ेदान का कूड़ा भी सड़कों पर बिखरे हुए हैं साथ ही बाजार वह सड़कों में गंदगी भी फैली रही है फैल रहे है जिससे राहगीरों सहित पर्यटकों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है इस संबंध में नगर निगम के सहायक आयुक्त लक्ष्मण भंडारी का कहना है कि टैग से पहचान होने पर संबंधित पशु स्वामी का चालान काटा जाएगा वही लावारिस पशुओं को गौ सदन भेजने की व्यवस्था की जाएगी।

श्री पंचमुखी हनुमान बालाजी मंदिर में सजा दरबार

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। श्री पंचमुखी हनुमान बालाजी मंदिर, गल्ला मंडी रुद्रपुर में आयोजित भव्य धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिर परिसर में सजे दरबार में बाबा के जयकारों और भजनों की मधुर धुनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने पूरे उत्साह एवं आस्था के साथ भजन-कीर्तन में भाग लिया।

इस अवसर पर भाजपा नेता एडवोकेट प्रमोद मित्तल भी मंदिर पहुंचे और बाबा के दरबार में बालाजी भक्तों के साथ भक्ति रस में सराबोर नजर आए। उन्होंने भक्तों के साथ मिलकर भजनों का भावपूर्ण गुणगान किया, जिससे वातावरण और अधिक आध्यात्मिक हो गया। उनके साथ उपस्थित श्रद्धालु भी भक्ति में झूमते नजर आए और पूरा परिसर जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। भक्तों ने पूरे मनोयोग से भगवान हनुमान जी की आराधना की और अपने जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान वातावरण में भक्ति, आस्था और सकारात्मक ऊर्जा का अद्भुत संचार देखने को मिला।

इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में गुलशन नारंग, गगन वाधवा, सौरव गाबा, सर्वेश मौर्य, शिवांश अग्रवाल, अशोक राजपूत, अजय फुटेला, करण फुटेला, मनोज अरोड़ा, अक्ष नारंग, मनीष शर्मा, अनुज छाबड़ा, सूरज सचदेवा, प्रिंस गुप्ता, दिलीप अरोड़ा, सन्नी घई, रजनीश यादव, शिवम देवल, अन्नू वाधवा, अंजू सक्सेना, शिवानी गर्ग, ज्योति गर्ग सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे, जिन्होंने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर प्रमोद मित्तल ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को आपसी प्रेम, भाईचारे एवं संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी परंपराओं और धार्मिक मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए आने वाली पीढ़ियों को भी इससे जोड़ना चाहिए।

आवश्यकता है

हल्द्वानी शहर में तेज तर्रार रिपोर्टर चाहिए, वेतन योग्यतानुसार, इसके साथ ही नैनीताल, खटीमा, सितारगंज, किच्छा, बाजपुर, रामनगर, काशीपुर, देहरादून, हरिद्वार व ऋशिकेष आदि स्थानों पर संवाददाताओं व मार्केटिंग के लिए अनुभवी युवक-युवतियों की शीघ्र आवश्यकता है शीघ्र सम्पर्क करें अथवा अपना बायोडाटा मेल करें।

E-mail. editordaillyparvatprerna@gmail.com

मोबा. 9927213408, 8279487735

आपका सुझाव - हमारी दिशा

प्रिय स्नेही जन

इस कॉलम के माध्यम से आप हमें यह बता सकते हैं कि 'पर्वत प्रेरणा' में आप क्या देखना चाहते हैं। कौन से मुद्दे उठाए जाएं क्या बेहतर हो, हम आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे और आपके नाम के साथ उन्हें प्रकाशित करेंगे।

हमें लिखें,भेजें ।

editordailyparvatprerna@gmail.com

WhatsApp:9927213408

सम्पादकः सुरेश पाठक

सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एवं स्वामी **सुरेश पाठक** द्वारा भीड़ापानी ओखलकांडा प्रिंटिंग प्रेस भोलानाथ गार्डन हल्द्वानी से मुद्रित तथा साईं कालोनी नियर साईं मन्दिर, बजूनिया हल्दू, पो. कठघरिया, हल्द्वानी नैनीताल, उत्तराखण्ड से प्रकाशित। मो. 9927213408, 8279487735

E-mail. editordaillyparvatprerna@gmail.com

एएसपी ने किया कोतवाली अल्मोड़ा का वार्षिक निरीक्षण

अल्मोड़ा। अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह ने गुरुवार को कोतवाली अल्मोड़ा का वार्षिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सीसीटीएनएस कार्यालय, मालखाना, बैरक और भोजनालय सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की जांच की गई। अभिलेखों का गहन निरीक्षण कर उन्हें अद्यतन रखने तथा कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए। लंबित विवेचनाओं, शिकायतों और वारंटों की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र निस्तारण और शत-प्रतिशत तामीली सुनिश्चित करने को कहा गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने जवानों को शस्त्र संचालन का अभ्यास भी कराया और उनकी जानकारी परखी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर अपर उपनिरीक्षक कैलाश चंद्र जोशी को पुरस्कृत किया गया। साथ ही बलवा ड्रिल और भीड़ नियंत्रण से संबंधित अभ्यास भी कराया गया। निरीक्षण के दौरान आपदा प्रबंधन उपकरणों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्हें हमेशा कार्यशील रखने के निर्देश दिए गए।

थाने में आने वाले शिकायतकर्ताओं के साथ शालीन व्यवहार करने और समस्याओं का त्वरित समाधान करने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा थाना क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, बीट प्रणाली को सक्रिय रखने, अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने तथा सत्यापन और जनजागरूकता अभियान प्रभावी ढंग से चलाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान कोतवाली प्रभारी योगेश चंद्र उपाध्याय, सतीश चंद्र कापड़ी, रमेश बोरा, दिनेश परिहार, आनंद बल्लभ कश्मीरा और रिकी सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

नशे में बाइक चला रहा युवक गिरफ्तार, वाहन सीज

अल्मोड़ा। यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने नशे में वाहन चला रहे एक युवक को गिरफ्तार कर उसका वाहन सीज कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देश पर चल रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह के मार्गदर्शन और सीओ अल्मोड़ा बलवंत सिंह रावत के पर्यवेक्षण में इंटरसेप्टर टीम द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया। टैक्सी स्टैंड तिराहे के पास चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल चालक को रोका गया, जो शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पाया गया। जांच में चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं था। पुलिस ने आरोपी युवक पुलकित चौहान निवासी जाखन देवी को मोटर वाहन अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर वाहन सीज कर दिया। इसके अलावा अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 25 अन्य लोगों के खिलाफ भी चालानी कार्रवाई की गई।

जिलाधिकारी ने की मुख्यमंत्री घोषणाओं की समीक्षा

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में विधानसभा क्षेत्र सल्ट, सोमेश्वर, जागेश्वर और रानीखेत से संबंधित मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाएं सरकार की प्राथमिकता में हैं और इनके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने और प्रगति पर चल रहे कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने विभागों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों की अद्यतन स्थिति समय-समय पर पोर्टल पर अपलोड की जाए, ताकि उच्च स्तर पर सही जानकारी उपलब्ध हो सके। साथ ही योजनाओं की गुणवत्ता बनाए रखने और उनका लाभ सीधे आमजन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने परियोजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा कार्यों में आ रही बाधाओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सभी विभागों को निर्धारित प्रारूप में समय पर अद्यतन सूचनाएं उपलब्ध कराने को भी कहा गया। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिस पर जिलाधिकारी ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी रेणु भंडारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सीएम के पिता की पुण्यतिथि पर पूर्व सैनिकों को किया सम्मानित

हिलजात्रा मैदान में स्वर्गीय सूबेदार शेर सिंह धामी को दी श्रद्धांजलि

पिथौरागढ़। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के स्वर्गीय पिता पूर्व सैनिक सूबेदार शेर सिंह धामी की पुण्यतिथि पर नगर के गणमान्य जनों ने कुमौड़ के हिलजात्रा मैदान में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं एवं उनके आश्रितों को सम्मानित किया।

इस उपलक्ष्य पर जाग उठा पहाड़ के संयोजक वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी गोपू महर ने कहा कि आज हमारे लिए यह अत्यंत गर्व की बात है कि आज देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले एक पूर्व सैनिक स्वर्गीय सूबेदार शेर सिंह धामी का पुत्र पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री बनकर प्रदेश सरकार का नेतृत्व कर रहा है और प्रदेश के विकास को नए आयाम दे रहा है। सीएम पुष्कर सिंह धामी की सफलता में उनके पिता स्वर्गीय सूबेदार शेर सिंह धामी का भी बड़ा योगदान है। इस पावन अवसर पर हमने देश की रक्षा के लिए अपना तन मन धन समर्पित करने वाले हर पूर्व सैनिक, वीरांगना एवं उनके आश्रितों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है।

यह हमारी उनके प्रति सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। एक सैनिक का सम्मान सम्पूर्ण राष्ट्र का सम्मान होता है। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद, पूर्व विधायक चंद्रा प्रकाश पंत, मेयर कल्पना देवलाल, भाजपा जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोमल मेहता, वरिष्ठ भाजपा नेता गोपू महर ने भी सभा को संबोधित किया और स्वर्गीय शेर सिंह धामी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में रघुवीर सिंह बिष्ट, किरन महर, दीवान सिंह मेहता, राजेश भट्ट, व्यापार मंडल उपाध्यक्ष दीप्ति बिष्ट तथा बड़ी संख्या में महिलाएं, आम नागरिक, पूर्व सैनिक आदि उपस्थित थे। मंच संचालन प्रसिद्ध बाल साहित्यकार ललित शौर्य ने किया।

दो किमी सैनिक रोड का निर्माण किए जाने की मांग

अल्मोड़ा। धौला देवी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत जिगोली तोली के ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह महरा को पत्र भेजकर आपदा से ध्वस्त तोली किमडा , पालड़ी फलिटिया, स्वाडा,किमडा ,सानडी सड़क को दो किमी जिगोली तोली मोटर मार्ग से जोड़ते हुए सैनिक बस्ती तक मार्ग का निर्माण किए जाने की मांग की है पत्र में कहा गया है कि सड़क न होने से स्कूली बच्चों वृद्ध गर्भवती महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है पत्र में दो किमी सड़क शीघ्र निर्माण किए जाने की मांग की गई है पत्र में पूर्व सैनिक सी एम पांडे, गोवर्धन पांडे कमल तिवारी, मोहन चंद्र , सूरज तिवारी, घनश्याम तिवाड़ी,दिनेश तिवारी त्रिलोक तिवारी आदि के हस्ताक्षर हैं।

शिक्षकों ने उठाई पुस्तकों और सुविधाओं की कमी की समस्या

अल्मोड़ा। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संगठन, द्वाराहाट ने विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं और लंबित भुगतान को लेकर नाराजगी जताई है। संगठन के अध्यक्ष ललित पालीवाल ने बताया कि सरकार के निर्देश के बावजूद अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक भी सभी विषयों की पुस्तकें विद्यालयों में उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को निशुल्क गणवेश, जूते और बैग भी समय पर नहीं मिलते, जिससे आधा शैक्षणिक सत्र बीत जाने के बाद ही सामग्री उपलब्ध हो पाती है। इसके अलावा कई विद्यालयों में लंबे समय से मध्यान्ह भोजन के लिए चावल भी उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण शिक्षकों को स्वयं व्यवस्था करनी पड़ रही है। संगठन ने शिक्षकों के लंबित भुगतानों का मुद्दा भी उठाया। बताया गया कि वर्ष 2023 से एरियर का भुगतान नहीं हुआ है, जबकि वर्ष 2022 में विद्यालय सौंदर्यीकरण के लिए किए गए कार्यों का भुगतान भी अब तक लंबित है। इससे दुकानदारों का बकाया बढ़ने के कारण शिक्षकों की छवि प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों को मिलने वाली वार्षिक धनराशि में भी कटौती कर दी गई है और विद्यालय कोटीकरण में मनमानी की जा रही है। इसके अलावा प्रवेश उत्सव के दौरान शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी में लगाए जाने से शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है, जिसका संगठन ने विरोध किया है। संगठन के अनुसार शिक्षकों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल भी लंबे समय से लंबित हैं, जबकि उनके वेतन से नियमित कटौती की जा रही है। वर्ष 2024 में सेवानिवृत्त शिक्षकों के प्रकरणों का भी अब तक निस्तारण नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि उप शिक्षा अधिकारी का पद लंबे समय से रिक्त होने के कारण भी कई मामले लंबित पड़े हैं।

उत्तरांचल परिवहन मजदूर संघ की अल्मोड़ा शाखा के मनीष जोशी बने अध्यक्ष

अल्मोड़ा। उत्तरांचल परिवहन मजदूर संघ की अल्मोड़ा शाखा के वर्ष 2026-27 के लिए चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गए। परिणाम घोषित होने के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा। चुनाव में मनीष जोशी अध्यक्ष चुने गए। उपाध्यक्ष पद पर बलवन्त मेहता और चंद्रशेखर जोशी निर्वाचित हुए। शाखा मंत्री के रूप में भगवत मेहरा तथा संयुक्त मंत्री के रूप में गिरधारी कुमार और मीना जोशी को जिम्मेदारी सौंपी गई। संगठन मंत्री पद पर गौरव शाह और कोषाध्यक्ष के रूप में चतर सिंह का चयन हुआ। संप्रेक्षक के रूप में राम लाल को चुना गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में दीपक कुमार, सार्थक कुमार और ललित राणा निर्वाचित हुए, जबकि कार्यालय सचिव सदस्य के रूप में सूरज टम्टा तथा क्षेत्रीय सदस्य के रूप में कोशल कुमार, मीना जोशी और मदन सिंह बिष्ट को जिम्मेदारी दी गई। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी रामप्रीत यादव, विरेन्द्र बिष्ट और ललित मोहन पांडे ने पर्यवेक्षक के रूप में की। उनके निर्देशन में पूरी प्रक्रिया संपन्न कराई गई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने और मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

कांग्रेस ने जोरदार नारेबाजी करते हुए किया धरना प्रदर्शन

गैस किल्लत को लेकर राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

पिथौरागढ़। कांग्रेस ने एलपीजी की किल्लत को लेकर जिलाध्यक्ष मुकेश पंत के नेतृत्व में जिला कार्यालय परिसर में जोरदार नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन किया। तत्पश्चात जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगाईं के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर एलपीजी की किल्लत दूर करने की मांग की।

मुकेश पंत ने कहा कि सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में पिछले एक माह से रसोई गैस वितरण स्थलों पर देर रात से ही जनता खाली सिलिंडर लेकर लाइनों में खड़ी हो रही है। इसके बाद भी सभी को सिलिंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिससे जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है। विद्यार्थी, महिलाएं, बुजुर्ग, सभी लोग अपना जरूरी काम छोड़कर घंटों तक रसोई गैस सिलिंडर प्राप्त करने के लिए लाइन लगाकर इंतजार कर रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को हो रही है जो घंटों तक लाइनों में खड़े होने में असमर्थ हैं। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई छोड़कर देर रात से लाइनों में खड़े हैं।

बाहर से यहां आकर रहने वाले प्रवासी और विद्यार्थी एलपीजी की अनुपलब्धता के कारण या तो अपने घरों को लौट रहे हैं या होटलों में महंगा खाना खाने के लिए मजबूर हैं। सरकार और प्रशासन झूठे दावे कह रहा है कि रसोई गैस की कोई किल्लत नहीं है और सिलिंडरों की होम डिलीवरी की जा रही है। लेकिन जमीनी हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।

कांग्रेस अभी तक शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर रही है। जिससे कि हालात और अधिक भयावह न हो जाएं। लेकिन सरकार और प्रशासन कुम्भकर्णी नींद में सोया हुआ है। उसे जनता की परेशानी की कोई परवाह नहीं है। मुकेश पंत ने सरकार और प्रशासन को चेतावनी देते हुआ कहा कि जल्द हालातों में सुधार नहीं हुआ तो कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता क्षेत्र की जनता को साथ लेकर सड़कों पर उतरेंगे और उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। धरना प्रदर्शन करने वालों में और जिलाधिकारी को ज्ञापन देने वालों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज ओझा, नगर उपाध्यक्ष निशिद उप्रेती, चंचल सिंह बोहरा, दीपक वर्मा, नितिन सागर, योगेश भट्ट, ललित टम्टा, नितेश कुमार, रोहित बिष्ट, शंकर आदि शामिल थे।

डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ को जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष मनीष राणा का समर्थन

उत्तरकाशी। डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की जायज मांगों को लेकर जारी हड़ताल के समर्थन में जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष मनीष राणा धरना स्थल पर पहुंचीं। उन्होंने इंजीनियर्स से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनकी मांगों को पूरी तरह न्यायसंगत बताया। गौरतलब है कि महासंघ बीते मार्च माह से लगातार हड़ताल पर है, जिसका सीधा असर जनपद के विकास कार्यों पर पड़ रहा है। सड़कों के निर्माण और मरम्मत कार्य पूरी तरह ठप हैं, जिससे आमजन को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आगामी चारधाम यात्रा को देखते हुए व्यवस्थाओं की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है, क्योंकि कई स्थानों पर सड़कें और रास्ते अवरुद्ध हैं।

इसके अलावा, आपदा प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में संभावित आपदाओं के मद्देनज़र यह स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। नहरों की सफाई और मरम्मत कार्य ठप होने से किसानों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इस मौके पर मनीष राणा ने कहा कि यह केवल डिप्लोमा इंजीनियर्स की लड़ाई नहीं, बल्कि उनके हक, सम्मान और भविष्य की लड़ाई है। उन्होंने सरकार से जल्द इनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर समाधान निकालने की अपील की, ताकि विकास कार्य सुचारू रूप से फिर शुरू हो सकें।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा कर्मचारियों और आमजन के साथ खड़ी रही है और आगे भी खड़ी रहेगी। उन्होंने महासंघ को भरोसा दिलाया कि उनकी आवाज़ को सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से उठाया जाएगा।

अंत में, उन्होंने सरकार से शीघ्र वार्ता कर गतिरोध समाप्त करने की अपील की, ताकि जनहित के कार्यों में आ रही बाधाएं दूर हों और आम जनता को राहत मिल सके। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शीशपाल पोखरियाल, वरिष्ठ नेता सूर्यबल्भा नौटियाल, मनोज राही और सूरज रावत सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जनगणना 2027: उत्तरकाशी में 10 अप्रैल से शुरू होगी 'स्व-गणना' सुविधा

उत्तरकाशी। भारत की आगामी जनगणना 2027 के सफल आयोजन को लेकर जनपद उत्तरकाशी में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिला प्रशासन ने इस बार जनगणना प्रक्रिया को अधिक आधुनिक और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से पहली बार नागरिकों को 'स्व-गणना' की सुविधा प्रदान की है। जिलाधिकारी एवं मुख्य जनगणना अधिकारी प्रशांत आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना का प्रथम चरण, जिसमें मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना शामिल है, उत्तराखंड राज्य में 25 अप्रैल 2026 से 24 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इससे पूर्व नागरिक 10 अप्रैल से 24 अप्रैल 2026 के बीच स्वयं ऑनलाइन माध्यम से अपनी गणना कर सकेंगे। प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, इच्छुक नागरिक निर्धारित पोर्टल पर जाकर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। इसके लिए परिवार के मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर, ओटीपी सत्यापन, स्थानीय जानकारी और मकान संबंधी विवरण दर्ज करना होगा। प्रक्रिया पूर्ण होने पर एक एसईआइडी प्रदान की जाएगी, जिसका उपयोग बाद में प्रगणकों द्वारा सत्यापन के दौरान किया जाएगा। प्रथम चरण के दौरान 25 अप्रैल से 24 मई तक प्रगणक घर-घर जाकर आंकड़ों का संकलन करेंगे। जिन परिवारों ने स्व-गणना कर ली होगी, उन्हें केवल अपनी SE ID दिखानी होगी, जिससे प्रक्रिया सरल हो जाएगी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने जनपद के नागरिकों से अपील की है कि वे इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सक्रिय सहयोग दें, अधिक से अधिक संख्या में स्व-गणना सुविधा का लाभ उठाएं तथा प्रगणकों को सही एवं आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं। प्रशासन का मानना है कि इस नई डिजिटल पहल से जनगणना प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और सटीक बनेगी, जिससे भविष्य की योजनाओं और नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

तांबाखानी टनल के बाहर कूड़ा बना बड़ी समस्या, 112वें दिन भी धरना जारी

उत्तरकाशी। तांबाखानी सुरंग के बाहर वर्षों से जमा कूड़े के निस्तारण को लेकर चल रहा जनआंदोलन अब 112वें दिन में पहुंच गया है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे गोपीनाथ सिंह रावत के नेतृत्व में जारी यह धरना अब जनआक्रोश के साथ-साथ जनशक्ति का प्रतीक बनता जा रहा है।

लगातार 112 दिनों से जारी इस आंदोलन के बावजूद पालिका प्रशासन की धीमी कार्यशैली के कारण समस्या लंबे समय तक जस की तस बनी रही। हालांकि जनदबाव और निरंतर संघर्ष के चलते अब कूड़े के निस्तारण का कार्य शुरू हुआ है और काफी मात्रा में पुराने कूड़े को हटाया भी गया है, लेकिन स्थायी समाधान अभी भी दूर नजर आ रहा है। आंदोलनकारियों का कहना है कि केवल कूड़ा हटाना समस्या का समाधान नहीं है। जब तक वैज्ञानिक तरीके से कूड़े का निस्तारण और ठोस प्रबंधन व्यवस्था लागू नहीं की जाती, तब तक यह समस्या बार-बार सामने आती रहेगी। नया कोड यानी नई कार्ययोजना को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है, जिससे लोगों में असमंजस बना हुआ है।

धरना स्थल पर मौजूद गोपीनाथ सिंह रावत ने कहा कि यह आंदोलन किसी दिखावे के लिए नहीं, बल्कि स्थायी समाधान के लिए है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक ट्रेंचिंग ग्राउंड का निर्माण, वैज्ञानिक निस्तारण और मजबूत निगरानी व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि वर्तमान में कूड़े को एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर डालना केवल अस्थायी उपाय है, जिससे भविष्य में नए कूड़े के अंबार की समस्या खड़ी हो सकती है। यह स्थिति उत्तरकाशी की स्वच्छता और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।

इस आंदोलन में क्षेत्र की मातृशक्ति, युवाओं, बुजुर्गों और जागरूक नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। बढ़ता जनसमर्थन यह दर्शाता है कि यह अब पूरे समाज की आवाज बन चुका है। हालांकि हाल के दिनों में कूड़ा निस्तारण की दिशा में कुछ सकारात्मक पहल हुई है, जिससे आंदोलन के समापन के संकेत मिल रहे हैं। आंदोलनकारियों ने इसे जनता की एकजुटता और जागरूकता की बड़ी जीत बताया है।

आंदोलन में संदीप रावत, संतोष नेगी, संतोष सेमवाल, जितेंद्र भंडारी और लखन सिंह पवार सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे। आंदोलनकारियों ने प्रशासन से मांग की है कि नई व्यवस्था को पारदर्शी और प्रभावी ढंग से लागू किया जाए तथा जल्द से जल्द ट्रेंचिंग ग्राउंड का निर्माण कर स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में उत्तरकाशी को दोबारा कूड़ा संकट का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री धामी ने 12 मानचित्रकों को सौंपे नियुक्ति पत्र, कृषि सुदृढ़ीकरण में निभाएंगे अहम भूमिका

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग के अंतर्गत मानचित्रक (ड्राफ्टसमैन) पद पर चयनित 12 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति राज्य की कृषि व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी अभ्यर्थी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया है। इस कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के बाद अब तक प्रदेश में 30 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति दी जा चुकी है, जो सरकार की युवाओं के प्रति प्रतिबद्धता और सुशासन का प्रमाण है। उन्होंने कृषि क्षेत्र में हो रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तराखंड में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही मिलेट (श्री अन्न) के उत्पादन और विपणन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और फसल विविधीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सेब, कीवी, बागवानी एवं औषधीय पौधों की खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे कृषि को लाभकारी और युवाओं के लिए आकर्षक बनाया जा सके। कार्यक्रम में कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, सचिव कृषि एस.एन. पाण्डेय, अपर सचिव आनंद श्रीवास्तव सहित कृषि विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के निर्देशों पर पाटी में किसान दिवस का आयोजन

पाटी (चंपावत)। विकास खण्ड पाटी में जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जी.एस. खाती की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसानों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने अपनी खेती-किसानी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा, जिसमें मुख्य रूप से जंगली जानवरों द्वारा फसलों को पहुंचाए जा रहे नुकसान का मुद्दा प्रमुखता से छाया रहा।

किसानों की इस गंभीर समस्या के समाधान हेतु मुख्य कृषि अधिकारी डी. कुमार ने आश्वस्त किया कि विभाग द्वारा चेनलिंक फेंसिंग के माध्यम से फसलों की सुरक्षा के लिए सामूहिक घेराबाड़ की योजना तैयार की गई है। इसी क्रम में कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. नारायण सिंह ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत विभाग द्वारा किसानों को निशुल्क एंगिल और चेनलिंक जाली उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसानों की सहभागिता अनिवार्य होगी, जहां सामग्री विभाग द्वारा दी जाएगी वहीं इसे लगाने और भविष्य में इसके रखरखाव की जिम्मेदारी स्वयं किसानों की होगी। तकनीकी सत्र के दौरान के.वी.के. लोहाघाट की वैज्ञानिक डॉ. रजनी पंत ने किसानों को उद्यानिकी फसलों के उचित प्रबंधन और हानिकारक कीटों व रोगों से बचाव के आधुनिक तरीकों के बारे में जागरूक किया। साथ ही, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. वसुन्धरा गर्ब्याल ने पशुपालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को इनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान जिला उद्यान अधिकारी मोहित मल्ली, डी.डी.एम. नाबार्ड स्वाति कार्की, ए.आर. कोऑपरेटिव प्रेम प्रकाश और लीड बैंक मैनेजर अमर ग्वाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमका उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, श्रीलंका ओपन यूनिवर्सिटी के साथ ऐतिहासिक एमओयू

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने वैश्विक शिक्षा जगत में एक बड़ी छलांग लगाते हुए श्रीलंका ओपन यूनिवर्सिटी के साथ 8 अप्रैल 2026 को ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस करार के साथ ही विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय अकादमिक सहयोग, शोध और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर दिए हैं। इस महत्वपूर्ण समझौते की नींव उस समय पड़ी, जब विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी श्रीलंका में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुए। वहां दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के बीच शैक्षिक सहयोग को लेकर सकारात्मक और दूरदर्शी बातचीत हुई। इसके बाद मार्च 2026 में तिरुवनंतपुरम में आयोजित मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के सम्मेलन में इस संवाद को आगे बढ़ाया गया। लगातार हुई इन बैठकों ने अंततः

इस साझेदारी को औपचारिक रूप दे दिया। इस एमओयू के तहत संयुक्त शोध परियोजनाओं को मिलेगा बढ़ावा, छात्र एवं संकाय विनिमय के खुलेंगे नए रास्ते, ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा में होगा विस्तार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक गतिविधियां होंगी मजबूत होंगी।

कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने इसे विश्वविद्यालय के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि इससे छात्रों और शोधार्थियों को वैश्विक स्तर पर सीखने और आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे।

गौरतलब है कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय पहले भी राष्ट्रीय स्तर पर कई संस्थानों के साथ सहयोग कर अपनी शैक्षिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करता रहा है। अब यह पहल अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचकर विश्वविद्यालय की पहचान को और मजबूत करेगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता न केवल भारत और श्रीलंका के बीच शैक्षिक संबंधों को नई मजबूती देगा, बल्कि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, नवाचार और ज्ञान-विनिमय को भी नई दिशा प्रदान करेगा।

न्याय पंचायत बड़ेथ श्रीकालखाल में बहुउद्देशीय शिविर, जनसमस्याओं का मौके पर निस्तारण

उत्तरकाशी। जनपद के न्याय पंचायत बड़ेथ श्रीकालखाल में बहुउद्देशीय शिविर का सफल आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रीय जनता ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। शिविर में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। विशेष रूप से गाजना पट्टी के नागरिकों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न समस्याओं पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राहत प्रदान की। शिविर का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करना रहा। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख राजदीप परमार ने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से प्रशासन सीधे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहा है, जिससे लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते।

शिविर में उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी, नायब तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से अनेक जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण किया गया, जिससे स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने दोहराया कि जनसेवा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और प्रत्येक नागरिक की समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, जनता के सहयोग और विश्वास को ही सेवा कार्यों की प्रेरणा बताते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया गया।

प्रशासन की सख्ती: बुक सेलरों और स्कूलों पर संयुक्त छापेमारी, अनियमितताओं पर कार्रवाई के संकेत

कालाढूंगी। ललित मोहन रयाल के निर्देशानुसार बिपिन चंद्र पंत के नेतृत्व में राजस्व, पुलिस एवं शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने परगना कालाढूंगी क्षेत्र में बुक सेलरों और विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। यह कार्रवाई एनसीईआरटी के अलावा अन्य किताबों की बिक्री तथा निर्धारित मूल्य से अधिक शुल्क वसूले जाने की शिकायतों के आधार पर की गई। निरीक्षण के दौरान कालाढूंगी स्थित अजंता बुक डिपो में एनसीईआरटी की पुस्तकें पाई गईं, जबकि स्कूल ड्रेस बिना मोनोग्राम के मिली। वहीं भंडारी बुक डिपो और आनंद बुक डिपो में विभिन्न स्कूलों के मोनोग्राम वाली ड्रेस बिक्री के लिए उपलब्ध पाई गई। इसके अतिरिक्त सुमसन क्लॉथ हाउस में पांच निजी विद्यालयों के मोनोग्राम वाली ड्रेस बिकती पाई गई, लेकिन संबंधित दुकानदार द्वारा स्कूल ड्रेस बेचने के लिए कोई अधिकृत दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। साथ ही ड्रेस पर निर्धारित मूल्य भी अंकित नहीं पाया गया, जो नियमों का उल्लंघन है।

टीम द्वारा कालाढूंगी बंदोबस्ती स्थित कैमरेड्री पब्लिक स्कूल का भी निरीक्षण किया गया, जहां एनसीईआरटी के अतिरिक्त कोई अन्य पुस्तक नहीं पाई गई। एसडीएम बिपिन चंद्र पंत ने बताया कि इस प्रकार के निरीक्षण अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। यदि किसी अभिभावक की ओर से शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित बुक सेलर या विद्यालय के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान थाना प्रभारी कालाढूंगी अरुण कुमार सैनी, शिक्षा विभाग से अशोक कुमार सिंह, पूजा सूठा, विदुषी रजवार, इमरान खान सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा से पहले सतर्कता की परीक्षा: क्या मॉक ड्रिल बनेगी भरोसे की गारंटी?

रुद्रप्रयाग। आगामी चारधाम यात्रा से पहले उत्तराखंड में आयोजित मॉक ड्रिल केवल एक औपचारिक अभ्यास नहीं, बल्कि एक अत्यंत आवश्यक चेतावनी और तैयारी का संकेत है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी यह यात्रा जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही संवेदनशील भी विशेषकर भौगोलिक और आपदाजन्य दृष्टि से। आज राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस मॉक ड्रिल ने यह स्पष्ट किया कि प्रशासन इस बार किसी भी प्रकार की लापरवाही के मूड में नहीं है। सुबह 10 बजे राज्य आपातकालीन केंद्र से शुरू हुई इस कवायद में सात जिलों में एक साथ आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखा गया यह अपने आप में एक व्यापक और समन्वित प्रयास का संकेत है।

दरअसल, उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियां भूस्खलन, अचानक बाढ़, मौसम की अनिश्चितता चारधाम यात्रा को हर वर्ष चुनौतीपूर्ण बनाती हैं। ऐसे में प्रशासन द्वारा जिलों को जोन और सेक्टर में बांटना, जीआईएस मैपिंग के माध्यम से संसाधनों का आंकलन करना और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करना एक सकारात्मक पहल है। जीरो लॉस ऑफ लाइफ का लक्ष्य निश्चित रूप से महत्वाकांक्षी है, लेकिन यही लक्ष्य प्रशासनिक इच्छाशक्ति की असली परीक्षा भी होगा।

हालांकि, सवाल यह है कि क्या मॉक ड्रिल के ये अभ्यास वास्तविक परिस्थितियों में भी उतनी ही प्रभावी साबित होंगे? अतीत में उत्तराखंड ने कई भीषण आपदाओं का सामना किया है, जहां प्रारंभिक तैयारी और जमीनी क्रियान्वयन के बीच अंतर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। ऐसे में केवल अभ्यास करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उससे मिले निष्कर्षों को लागू करना अधिक महत्वपूर्ण है।

चारधाम यात्रा का बढ़ता दायरा और श्रद्धालुओं की संख्या भी एक बड़ी चुनौती है। भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, स्वास्थ्य सुविधाएं और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र इन सभी मोर्चों पर एक साथ मजबूत व्यवस्था आवश्यक है। यदि इनमें से किसी एक कड़ी में भी कमजोरी रही, तो उसका प्रभाव व्यापक हो सकता है।

इस संदर्भ में यह मॉक ड्रिल एक अवसर भी है कमियों को पहचानने और उन्हें सुधारने का। यदि प्रशासन वास्तव में जीरो लॉस ऑफ लाइफ के लक्ष्य को गंभीरता से लेता है, तो उसे केवल आपदा के समय प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि पूर्व-निवारक उपायों पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। अंततः, चारधाम यात्रा केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि प्रबंधन और जिम्मेदारी की भी परीक्षा है। मॉक ड्रिल ने यह संकेत दिया है कि तैयारी की दिशा सही है, लेकिन असली परीक्षा तब होगी जब लाखों श्रद्धालु इन दुर्गम मार्गों पर होंगे।

अटरिया मंदिर परिसर में चला विशेष सफाई अभियान

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। महापौर विकास शर्मा के नेतृत्व में शहर में चलाये जा रहे विशेष स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को प्राचीन अटरिया मंदिर और मेला परिसर में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान महापौर ने स्वयं झाड़ू थामकर श्रमदान किया और उपस्थित लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए शहर को स्वच्छ बनाने की शपथ दिलाई। अभियान में नगर निगम की टीम, स्थानीय व्यापारियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। अभियान के दौरान अटरिया मंदिर के मुख्य परिसर के साथ-साथ पूरे मेला क्षेत्र में व्यापक स्तर पर सफाई की गई। इस अवसर पर जनसमूह को संबोधित करते हुए महापौर विकास शर्मा ने कहा कि शहर को सुंदर और रोगमुक्त बनाना नगर निगम की मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है जब नगर का प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझे। उन्होंने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर 7 से 13 अप्रैल तक प्रदेश व्यापी विशेष स्वच्छता और जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम के पार्षद, अधिकारी और कर्मचारी आम जनता के साथ मिलकर धरातल पर कार्य कर रहे हैं। महापौर ने कहा कि प्राचीन अटरिया मंदिर जन-जन की आस्था का केंद्र है, जहाँ लाखों श्रद्धालु मत्था टेकने पहुँचते हैं। ऐसे में इस धार्मिक स्थल की पवित्रता और स्वच्छता बनाए रखना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने विशेषकर मातृशक्ति से अपील की कि वे घरों में गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग रखें। उन्होंने आह्वान किया कि सभी के सम्मिलित प्रयासों से ही रुद्रपुर को उत्तराखंड का नंबर वन शहर बनाया जा सकता है। महापौर विकास शर्मा ने पिछले वर्ष स्वच्छता रैंकिंग में नगर निगम के शानदार प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि इस वर्ष रैंकिंग को और बेहतर बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने जनता से कूड़ा इधर-उधर न फेंकने और केवल नगर निगम के वाहनों में ही डालने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पाण्डे, मंदिर की महंत पुष्पा देवी, मंदिर समिति सचिव पंकज गौड, पार्षद राजेश जग्गा, एमपी मौर्य, बीनू, राधे शर्मा, कुसुम शर्मा, चंदा, राजू नबियाल, मनोज कर्नाटक, सफाई निरीक्षक कुलदीप कुमार, सौरभ गुप्ता, अनुज पाठक, पूर्व पार्षद महेंद्र आर्य, किसान मोर्चा महामंत्री कमल राणा, राकेश गुप्ता, विनोद, उमेद, बंटी सहित भारी संख्या में निगम कर्मचारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

लोहाघाट मे सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान एवं विदाई

लोहाघाट। शिक्षक भवन लोहाघाट में आज प्राथमिक शिक्षक संगठन लोहाघाट इकाई द्वारा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले चुके प्राथमिक शिक्षक संगठन के जिला अध्यक्ष गोविन्द सिंह बोहरा सहित विगत दो वर्षों में सेवानिवृत्त शिक्षकों की विदाई एवं सम्मान किया गया। ब्लॉक मंत्री मयंक पुनेठा के संचालन एवं कार्यकारी जिला अध्यक्ष उत्तम फर्त्याल की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि रूप में शतायु प्राप्त पूर्व प्रधानाध्यापक मोती सिंह मेहता थे ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश फर्त्याल ने अतिथियों सहित उपस्थित सभी शिक्षक /शिक्षिकाओं का स्वागत उद्बोधन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक लक्ष्मण सिंह मेहता ने गोविंद बोहरा को आदर्श शिक्षक के साथ कुशल नेतृत्वकर्ता बताते हुए उनके शिक्षा,शिक्षण एवं शिक्षार्थियों तथा शिक्षक हितों हेतु तत्परता की प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी घनश्याम भट्ट ने सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए सभी शिक्षकों/शिक्षिकाओं से समय पालन कर विद्यालयों में नियमित उपस्थिति देकर विद्यालयों को संवारने की अपील की। गोविंद बोहरा ने सभी से शिक्षण को प्राथमिकता में रख शिक्षकों से छात्र हित एवं विद्यालय विकास में तत्परता का अनुरोध किया। उन्होंने 100वर्ष पूर्ण होने पर मुख्य अतिथि की अपनी ओर से कोट भेंट किया। सेवानिवृत्त शिक्षकों गंगा गिरी, सुमन चंद्र राय,खष्टी बल्लभ पाण्डेय, फतेह सिंह मेहता, इंद्रा आर्या,, पीताम्बर भट्ट, राजकुमारी भट्ट, कैलाश वर्मा, मीनाक्षी पाटनी को शाल ओढ़ाकर, माल्यार्पण एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ब्योवृद्ध मेहता ने अपने 44 साल के शिक्षक अनुभव सुनाते हुए सभी से स्वास्थ्य को प्राथमिकता देकर उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सभी को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम आयोजन में कीर्ति बल्लभ भट्ट, कैलाश ओली, शंकर अधिकारी, श्रीनिवास ओली,सतीश गहतोड़ी, जीवन मेहता, कुंवर प्रथोली, चंद्र किशोर पाण्डेय, जया जोशी, सुशीला चौबे, नीमा टम्टा, सुनील पांडेय , भारती पाण्डेय, नीतू ढेक आदि सैकड़ों शिक्षक उपस्थित थे।

अंतरराज्यीय असलहा तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश, दो शातिर गिरफ्तार

आतंकवादी संगठन से जुड़े तार, उत्तराखंड से जम्मू-कश्मीर तक होती थी सप्लाई, भारी मात्रा में हथियार बरामद

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

सितारगंज। ऊधमसिंहनगर पुलिस ने अवैध असलहा तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। ऑपरेशन प्रहार के तहत की गई इस कार्रवाई में दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जो उत्तराखंड से जम्मू-कश्मीर तक अवैध हथियारों की सप्लाई कर रहे थे। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क के तार आतंकवादी गतिविधियों से भी जुड़े हो सकते हैं, जिसके चलते जांच एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के निर्देशन में एसओजी रुद्रपुर और कोतवाली सितारगंज पुलिस द्वारा सिडकुल फेस-02 क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सूचना मिली कि बिना नंबर प्लेट की सफेद स्विफ्ट कार में सवार दो संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ कच्चे रास्ते से निकलने की फिराक में हैं।पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने वाहन मोड़कर भागने की कोशिश की। तेज रफ्तार में भाग रही कार कच्चे रास्ते में फंस गई, जिसके बाद पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए दोनों आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया।पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे पुलिस दबिश के डर से हथियारों को चोरगलिया जंगल में छिपाने जा रहे थे तथा अंतरराज्यीय स्तर पर अवैध हथियारों की सप्लाई करते थे और जम्मू-कश्मीर के कुछ व्यक्तियों को भी हथियार उपलब्ध कराते थे।जिनके संबंध आतंकवादी संगठन से जुड़े हुए हैं। पुलिस के अनुसार, पुलभट्टा क्षेत्र के इंद्रजीत संधु व पवन संधु के माध्यम से यह नेटवर्क संचालित हो रहा था। आरोपी हथियारों की खरीद-फरोख्त कर मोटा मुनाफा कमा रहे थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं यह नेटवर्क आतंकी गतिविधियों से तो नहीं जुड़ा है। संदिग्ध संपर्कों और लेनदेन की गहन जांच की जा रही है। पुलिस अब आरोपियों के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और बैंक खातों की जांच कर रही है। इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के जरिए नेटवर्क के अन्य सदस्यों, सप्लायरों और फाइनेंशियल लिंक की पहचान की जा रही है।

अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। इस मामले में कोतवाली सितारगंज में आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया जारी है।

बरामद सभी हथियारों और कारतूस को सील कर पुलिस कब्जे में ले लिया गया है।

तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध असलहा और कारतूस बरामद किए गए। आरोपियों के पास से 2 पोनिया 12 बोर रायफल, 1 रिवॉल्वर 32 बोर, 1 तमंचा 32 बोर, 1 तमंचा 315 बोर, 44 जिंदा कारतूस 315 बोर, 43 जिंदा कारतूस 12 बोर, 128 जिंदा कारतूस 32 बोर, 56 खोखा कारतूस 315 बोर, 23 खोखा कारतूस 12 बोर और 50 खोखा कारतूस 32 बोर बरामद किए।साथ ही बिना नंबर प्लेट की स्विफ्ट कार को भी कब्जे में लिया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरेन्द्र सिंह उर्फ हनी पुत्र इंद्रपाल सिंह निवासी बिरिया फार्म सिसैया, निखिल वर्मा उर्फ रानू पुत्र रमेश चंद्र निवासी केशवनगर, सितारगंज के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ कोतवाली सितारगंज में पहले से ही कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिससे इनके आपराधिक इतिहास की पुष्टि होती है।

पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त के मोबाइल नंबर और बैंक खातों की जांच के दौरान यह पाया गया कि उक्त खातों से जम्मू-कश्मीर के विभिन्न बैंक खातों में संदिग्ध लेनदेन किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जब जम्मू-कश्मीर पुलिस से संपर्क किया गया, तो एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ।

जांच में सामने आया है कि रेहान मीर जो जम्मू-कश्मीर के टुलरन सोफिया का निवासी है।इस नेटवर्क का मुख्य हिस्सा है। रेहान मीर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अल बदर का ओवर ग्राउंड वर्कर (ह्लङ्ख) है। वह पकड़े गए अभियुक्त के खाते में लगातार पैसे ट्रांसफर कर रहा था।

इस मामले के तार सितारगंज से भी जुड़े पाए गए हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल इस बात की विस्तृत जांच कर रही है कि रेहान मीर द्वारा सितारगंज निवासी हनी के खाते में जो धन भेजा गया था, उसके बदले हनी द्वारा हथियारों की सप्लाई की गई थी या नहीं। दिल्ली स्पेशल सेल में इस संबंध में अभियोग पंजीकृत किया जा चुका है। आतंकी गतिविधियों और हथियारों की तस्करी के दृष्टिकोण से दोनों आरोपियों के संबंधों की जांच जारी है

सरकार की योजना को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा : प्रभारी मंत्री

03

विधायक शिव के नेतृत्व मे जनपद प्रभारी मंत्री प्रदीप बत्रा का कार्यकताओं ने किया जोरदार स्वागत

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। उत्तराखंड सरकार मे परिवाहन व सूचना प्रद्योगिकी मंत्री व जनपद ऊधम सिंह नगर प्रभारी मंत्री प्रदीप बत्रा रुद्रपुर दौरे पर आये। जहाँ विधायक शिव अरोरा द्वारा एलाइंस कॉलोनी मे कम्युनिटी हॉल में स्वागत कार्यक्रम रखा गया। जहाँ बड़ी संख्या लोग प्रभारी मंत्री के स्वागत के लिए एकत्रित हुऐ। पहली बार रुद्रपुर आए प्रभारी मंत्री के स्वागत में समाज के विभिन्न वर्ग के लोग व पार्टी पदाधिकारी मौजूद उमड़े।

इस दौरान भाजपा पार्षदो एवं एलाइंस समिति द्वारा प्रभारी मंत्री प्रदीप बत्रा का बड़ी माला के साथ स्वागत किया वही बड़ी संख्या में स्वागत के लिए आए लोगों को देख प्रभारी मंत्री गदगद नजर आए। प्रभारी मंत्री विधायक शिव अरोरा के आवास पर भी गये जहाँ सपरिवार विधायक ने उनका स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इस दौरान स्वागत भाषण में क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा ने ने कहा उत्तराखंड सरकार मे कैबिनेट मंत्री का जनपद प्रभारी प्रदीप बत्रा का रुद्रपुर आगमन हुआ जहाँ मेरे गृह क्षेत्र एलाइंस कॉलोनी में उनका स्वागत अभिनंदन किया गया, उन्होंने कहाँ ऊधम सिंह प्रभारी मंत्री बनने के उनका यह पहला दौरा है और सभी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया निश्चित रूप है जनपद प्रभारी मंत्री के नेतृत्व मे जिले मे विकास कार्यों को गति मिलेगी साथ हीं केंद्र व राज्य की योजना को तेज गति से धरातल पर पहुँचने मे बल मिलेगा।

वही कैबिनेट मंत्री व जनपद प्रभारी प्रदीप बत्रा ने कहा मैं सामान्य से कार्य करता हूं प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री व शीर्ष नेतृत्व ने जो विश्वास किया और

पुलिस लाइन में करियर काउंसलिंग गोष्ठी, बच्चों को दिए सफलता के टिप्स

अल्मोड़ा। कुमाऊं रेंज की पहल के तहत पुलिस लाइन अल्मोड़ा में पुलिस परिवार के बच्चों के लिए करियर काउंसलिंग गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें उन्हें विभिन्न करियर विकल्पों और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देशन में आयोजित हुआ, जिसमें अल्मोड़ा और बागेश्वर जनपद के पुलिस परिवारों के बच्चे शामिल हुए। गोष्ठी में दिल्ली से आए विशेषज्ञ काउंसलरों ने आधुनिक रोजगार के अवसरों, विषय चयन की महत्ता और परीक्षा कौशल विकास पर विस्तार से जानकारी दी। काउंसलिंग सत्र के दौरान बच्चों की रुचि और क्षमता के आधार पर उन्हें उपयुक्त करियर विकल्प चुनने के लिए प्रेरित किया गया। विशेषज्ञों ने सफल व्यक्तियों के उदाहरण देते हुए लक्ष्य के प्रति समर्पण, सुनियोजित तैयारी और सकारात्मक सोच के महत्व को बताया। इस दौरान सीओ अल्मोड़ा बलवंत सिंह ने अभिभावकों से संवाद करते हुए बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए सकारात्मक माहौल देने और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की सलाह दी। काउंसलिंग टीम का नेतृत्व राजीव मिश्रा ने किया, जबकि देवेंद्र राणा, नित्या द्विवेदी, योजना, सुभाष कांडपाल और निरुपम नौडियाल ने भी मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के अंत में काउंसलिंग टीम को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवारजन मौजूद रहे।

एससीईआरटी उत्तराखंड के सहायक निदेशक डॉ. के. एन.बिज्लवाण ने किया जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान का निरीक्षण

अल्मोड़ा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में एससीईआरटी उत्तराखंड के सहायक निदेशक डॉ. के. एन.बिज्लवाण एवं डॉ. रंजन भट्ट ने निरीक्षण किया गया डीएलएड प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं एवं डाइट फैकेल्टी को संबोधित किया गया उन्होंने शिक्षा के उन्नति हेतु डायट स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने को महत्व दिया तथा ब्लॉक स्तर पर विद्यालयों के गहन अनुश्रवण करने के साथ शिक्षण कार्य करने का सुझाव भी दिया .कार्यक्रम का संचालन नियोजन एवं प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ. हेम चन्द्र जोशी, कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य ललित मोहन पांडे द्वारा की गयीं. संस्थान में इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी गोविन्द सिंह रावत,डॉ कामक्षा मिश्रा, रमेश सिंह रावत,डॉ दीपा जलाल,डॉ. हेमलता धामी,डॉ निलेश कुमार, डॉ बी. सी. पांडे, हरिवंश सिंह बिष्ट, प्रकाश चन्द्र आर्य, डॉ. कमलेश सिराड़ी, डॉ प्रकाश पंत,डॉ. सरिता पांडे, उमेश मिश्रा, खिमुली देवी, ललित मोहन लोहनी सहित संस्थान के अकादमिक एवं गैर अकादमिक सदस्य उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री राहत कोष को लेकर राजनीति मे उबाल कांग्रेस का राज्यपाल को ज्ञापन

चंपावत। मुख्यमंत्री राहत कोष मामले को लेकर चंपावत जिले की राजनीति में उबाल आ गया है। कांग्रेस लगातार भाजपा पर आरोप लगा रही है। तो वही

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष चिराग फर्त्याल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन निधि वितरण को लेकर जिलाधिकारी चंपावत के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेज मामले की उच्च्य स्तरीय जांच की मांग की है तथा मांग पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी भी कांग्रेस के द्वारा दी गई है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष चिराग फर्त्याल ने कहा आज जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष का दुरुपयोग किया जा रहा है एवं अपने चाहने वालों को मुख्यमंत्री राहत कोष देकर उसमें बंदरबाट की जा रही है एवं आरटीआई मांगे जाने पर कुछ नाम जिलाधिकारी, अध्यक्ष एवं ठुड्डुद्दद्द के नाम से दिए गए है। सही जानकारी नही दी जा रही है जो सीधे-सीधे सरकारी धन का दुरुपयोग है। कहा जिस पैसे को जरूरतमंदों को दिया जाना चाहिए उस पैसे को अपने चहेतो को दिया जा रहा है जो कि जरूरतमंद जनता के साथ अन्याय है । कहा आज जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा सभी के नाम को उनके स्थाई पते के साथ अति शीघ्र सार्वजनिक किए जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी चम्पावत के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया । साथ ही चेतावनी दी गई है अति शीघ्र यह नाम स्थाई पते के साथ सार्वजनिक नहीं किए जाते हैं तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन को बाध्य होगी।

सारुड में हॉट मिक्स प्लांट से फैल रहा प्रदूषण, ग्रामीणों में आक्रोश

अल्मोड़ा। सल्ट विकास खंड के ग्राम सारुड में सड़क डामरीकरण कार्य के लिए लगाए गए हॉट मिक्स प्लांट से फैल रहे प्रदूषण को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में भारी रोष है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्लांट से निकलने वाला जहरीला धुआं वातावरण को दूषित कर रहा है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है।ग्रामीणों के अनुसार, धुएं के कारण गांव में रहना मुश्किल हो गया है। खासकर बुजुर्ग और छोटे बच्चे इस प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। लोगों को सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस प्लांट के कारण न केवल सारुड बल्कि आसपास के अन्य गांव भी प्रदूषण की चपेट में आ रहे हैं। प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग रानीखेत के अधिशासी अभियंता दीप चंद्र पांडे ने बताया कि क्षेत्र में डामरीकरण का कार्य जारी है।वहीं तहसीलदार सल्ट आबिद अली ने बताया कि उन्हें सारुड में हॉट मिक्स प्लांट से प्रदूषण फैलने की शिकायत मिली है। उन्होंने आश्वासन दिया कि एक-दो दिन के भीतर मौके पर निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सुरभि सेवा समिति की पहल पर विद्यालयों को मिले कम्प्यूटर

पिथौरागढ़। जी. जी. आइ. सी मूनाकोट और राजकीय हाई स्कूल बड़ालू को सुरभि सेवा समिति की पहल पर एस. बी. आई. ने दो दो कम्प्यूटर भेंट किए। स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक कवि ने जी. जी. आइ. सी मूनाकोट और राजकीय हाई स्कूल बड़ालू में सुरभि सेवा समिति की ओर से आयोजित एक सादे समारोह में विद्यार्थियों के लिए दो- दो कंप्यूटर उपलब्ध करवाए। इस अवसर पर सुरभि सेवा समिति के अध्यक्ष समाज सेवी महेश चंद्र मखौलिया, सचिव पूर्व प्रधानाचार्य मोहन चंद्र पाठक, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश देवलाल, सदस्य एच. एस. चौहान तथा पूर्व प्रधानाचार्य डॉक्टर आशा जोशी ने क्षेत्रीय प्रबंधक कवि का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मूनाकोट की प्रधानाचार्य कनक गैड़ा, बड़ालू के प्रभारी प्रधानाचार्य गणेश मर्तोलिया ने स्टेट बैंक और सुरभि सेवा समिति के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक वड्डा के प्रबंधक राहुल भारद्वाज, सामाजिक चिंतक डॉ. तारा सिंह, जगमोहन कन्याल, आभा चंद समेत छात्र, छात्राएं, शिक्षक, शिक्षिकाएं आदि मौजूद रहे।

दिगाली चौड़ दुर्घटना में घायल की इलाज के दौरान एसटीएच हल्द्वानी में मौत

ग्रामीणों की मृतक के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक मदद की मांग

मदद को आगे आए जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद अधिकारी

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

लोहाघाट। तीन दिन पूर्व लोहाघाट के दिगाली चौड़ क्षेत्र के झड़पतिया में हुई अल्टो कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मड़चमार निवासी शिवराम की गुरुवार शाम को उपचार के दौरान सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी में मौत हो गई हैं। पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद सव को परिजन उनके गांव मड़चमार लाए जिनका आज शुक्रवार को स्थानीय घाट में अंतिम संस्कार किया गया। शिवराम की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर छा गई है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य पुष्कर बोहरा ने बताया मृतक के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर है। मर्तक के परिवार में पत्नी , 14 वर्ष का बेटा व 16 वर्ष की बेटी है।

मृतक शिवराम वाहन चालक का कार्य कर किसी तरह परिवार का भरण पोषण किया करता था ।कहा शिवराम की मौत के बाद परिवार को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा ।उन्होंने शासन प्रशासन से मृतक के परिजनों की कमजोर आर्थिक स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता देने की मांग की है। तो वहीं इस दुर्घटना में दूसरे गंभीर रूप से घायल वाहन चालक सुरेश राम को भी लोहाघाट उप जिला चिकित्सालय से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जिन्हें परिजन नवोदय अस्पताल बरेली ले गए है जिनकी हालत भी गंभीर बनी हुई है। पुष्कर बोहरा ने बताया सुरेश राम की भी आर्थिक की स्थिति कमजोर होने के चलते उनके उपचार में काफी दिक्कतें आ रही है उन्होंने शासन प्रशासन से उपचार में सुरेश राम की मदद करने की अपील की है। तो वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद अधिकारी के द्वारा मानवता का परिचय देते हुए हल्द्वानी में अस्पताल की औपचारिकता पूर्ण कर अपने निज खर्चे से शिवराम के शव को उनके पैतृक गांव पहुंचाया गया। कहा मृतक परिवार की हर संभव मदद की जाएगी। लोहाघाट उप जिला चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर विराज राठी ने बताया घायल सुरेश राम के लिवर में गंभीर चोट के चलते उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है परिजन जिन्हें बरेली के निज अस्पताल ले गए है।

लोहाघाट के मेडिकल प्रतिष्ठानों पर औषधि नियंत्रण विभाग की छापेमारी

एमटीपी किट की अवैध बिक्री और अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई

लोहाघाट। अपर आयुक्त एवं उप औषधि नियंत्रण, खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन देहरादून के आदेशों तथा जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देशों के अनुपालन में औषधि नियंत्रण विभाग चंपावत द्वारा लोहाघाट क्षेत्र में एक विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान एमटीपी किट की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने और औषधि मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित किया गया। इस कार्रवाई के अंतर्गत औषधि निरीक्षक चंपावत हर्षिता द्वारा क्षेत्र के दो थोक और तीन खुदरा मेडिकल प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण की इस प्रक्रिया के दौरान औषधि निरीक्षक ने प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और उनकी सुचारू रिकॉर्डिंग व्यवस्था की बारीकी से जांच की। इसके साथ ही लाइसेंस की शर्तों का अनुपालन, मियादी समाप्त औषधियों के सुरक्षित पृथककरण तथा दवाओं से संबंधित समस्त आवश्यक दस्तावेजों और पंजिकाओं के रखरखाव का गहन विश्लेषण किया गया। जांच के दौरान नियमों के उल्लंघन पर विभाग ने सख्त रुख अपनाया। कार्रवाई के क्रम में एक मेडिकल स्टोर पर मौके पर पंजीकृत फार्मासिस्ट उपस्थित नहीं पाया गया, जिस पर संबंधित प्रतिष्ठान को तत्काल नोटिस जारी किया गया। इसके अतिरिक्त एक अन्य फर्म में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने के फलस्वरूप विभाग द्वारा उस फर्म के दैनिक क्रय-विक्रय पर तीन दिनों के लिए पूर्णतः रोक लगा दी गई है। अभियान के दौरान सभी मेडिकल फर्म स्वामियों को चेतावनी देते हुए लाइसेंस की शर्तों और औषधि मानकों का कड़ाई से अनुपालन करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि दवाओं की गुणवत्ता और नियमों से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी जनपद के अन्य क्षेत्रों में इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। इसके साथ ही औषधि निरीक्षक द्वारा सभी विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि यदि उन्हें किसी भी औषधि की प्रमाणिकता पर संदेह हो, तो इसकी सूचना तत्काल औषधि नियंत्रण विभाग को उपलब्ध कराएं।इस दौरान सहायक खाद्य संरक्षण एवं औषधि प्रशासन दिनेश फर्त्याल मौजूद रहे।

चंपावत जिला अस्पताल में बैंचो की कमी घंटो खड़े रहने व जमीन में बैठने को मजबूर गर्भवती महिलाएं

चंपावत । जिले के सबसे बड़े अस्पताल चंपावत जिला चिकित्सालय में जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के दावे स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किए जाते हैं । जिले का सबसे बड़ा अस्पताल होने के चलते मरीजों की काफी भीड़ चंपावत जिला चिकित्सालय में है। पर आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए अस्पताल जुझता नजर आ रहा है।

जिला अस्पताल के स्त्री रोग विभाग के बाहर बैठने के लिए पर्याप्त कुर्सियां व बेंच उपलब्ध तक नहीं है। कई बेंच टूटी अवस्था में पड़े हुए हैं। जिस कारण गर्भवती महिलाओं व अन्य महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। गुरुवार को भी बैंचो की कमी के चलते कई गर्भवती महिलाएं घंटो खड़ी रही तो कई

महिलाएं जमीन पर बैठने को मजबूर नजर आई। गर्भवती महिलाओं ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठने की उचित व्यवस्था न होने के कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। महिलाओं ने कहा इतने बड़े अस्पताल में महिलाओं के बैठने के लिए व्यवस्था न होना काफी गंभीर मामला है। कहा बैंचो की कमी के चलते या तो उन्हें घंटो खड़ा रहना पड़ता है या जमीन पर बैठना पड़ता है। महिलाओं ने स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन से स्त्री रोग विभाग के बाहर महिलाओं के बैठने के लिए पर्याप्त बेंच उपलब्ध कराने की मांग की है। अब देखना है बेहतर सुविधाओं के दावे करने वाला स्वास्थ्य विभाग कब तक मातृशक्ति की समस्याओं का संज्ञान लेता है। हालांकि स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल अस्पतालों की व्यवस्थाओं में सुधार लाने के लिए एक्शन मोड पर नजर आ रहे हैं। तो वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर से धामी के द्वारा भी चंपावत जिला अस्पताल को बेहतर सुविधा देने के पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। पर गर्भवती महिलाओं के बैठने के लिए पर्याप्त बैंचो का उपलब्ध न होना एक काफी गंभीर मामला है ।हालांकि समस्या ज्यादा बड़ी नहीं है।

नशे में धुत कैंटर चालक का तांडव होटल व कार को किया क्षतिग्रस्त, गिरफ्तार

लोहाघाट। घाट राष्ट्रीय राजमार्ग में खोला सुनार के पास गुरुवार की देर रात 11.30 के लगभग नशे में धुत गैस वाहन के कैंटर चालक ने तांडव मचाया है। केंटर चालक ने सड़क किनारे नवीन होटल व होटल स्वामी की कार को टक्कर

मारकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। जिससे होटल स्वामी को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है । गनीमत रही इस दौरान कैंटर की चपेट में कोई नहीं आया अन्यथा जानलेवा हादसा हो सकता था। होटल स्वामी के द्वारा लोहाघाट पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सूचना पर लोहाघाट थाने के एएसआई धर्मेंद्र कुमार व बाराकोट चौकी पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची तथा कैंटर चालक को गिरफ्तार कर लोहाघाट थाने लाया गया। पुलिस ने वाहन चालक का मेडिकल लोहाघाट उप जिला चिकित्सालय में कराया गया ।जहा चालक के नशे में होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने वाहन चालक बलवंत सिंह पुत्र स्वर्गीय मदन सिंह निवासी रमानी बागेश्वर को गिरफ्तार कर वाहन सीज कर दिया है। अग्रिम कार्रवाई जा रही है। होटल स्वामी नवीन जोशी ने बताया कैंटर चालक मदन सिंह पिथौरागढ़ से गैस खाली कर वापस लौट रहा था जिसके द्वारा उनके होटल पर रात खाना खाया गया जो पूरी तरह नशे में था। उन्होंने बताया खाना खाने के बाद वाहन चालक के द्वारा वाहन को बैक कर उनकी कार को टक्कर मारने के साथ-साथ पूरे होटल को क्षतिग्रस्त कर दिया है ।जिससे उन्हें लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। और उन लोगों के द्वारा किसी तरह भाग कर जान बचाई गई तथा क्रेन की मदद से कार को होटल के अंदर से किसी तरह बाहर निकाला गया। घटना में होटल व कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। एसएचओ लोहाघाट अशोक कुमार सिंह ने बताया वाहन चालक नसे में वाहन चला रहा था। जिसे गिरफ्तार कर वाहन को सीज कर दिया गया है कार्यवाही जारी है।

सीडीएस परीक्षा उत्तीर्ण गौरव जोशी को जिलाधिकारी ने घर जाकर किया सम्मानित

चंपावत । जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट रोड, डड़ा बिष्ट निवासी 21 वर्षीय गौरव जोशी ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज परीक्षा में ऑल इंडिया 114वीं रैंक प्राप्त कर भारतीय सेना में अधिकारी बनने की

उल्लेखनीय उपलब्धि पर जिलाधिकारी मनीष कुमार ने स्वयं गौरव जोशी के निवास पर पहुंचकर उन्हें तथा उनके माता-पिता को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दीं।गौरव जोशी मूल रूप से ग्राम बाराबाटी, नरियाल गांव के निवासी हैं। उनके पिता नारायण दत्त जोशी लोहाघाट में व्यापारी हैं तथा माता श्रीमती मीना जोशी आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यकर्ती के रूप में सेवाएं दे रही हैं। साधारण परिवार से आने वाले गौरव ने अपनी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह सफलता प्राप्त की है।गौरव ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय, चंपावत से प्राप्त की। वर्तमान में वे सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, चंपावत परिसर (अल्मोड़ा) से स्नातक अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहे हैं। इससे पूर्व भी वे एनडीए परीक्षा में गांधीनगर से मेरिट सूची में स्थान प्राप्त नहीं कर पाए थे।गौरव का चयन भारतीय सैन्य अकादमी के लिए हुआ है, जहां वे प्रशिक्षण के उपरांत भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त होंगे। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार ने गौरव की उपलब्धि को जनपद के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि कड़ी मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से किसी भी ऊंचाई को प्राप्त किया जा सकता है।उन्होंने गौरव को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए ईमानदारी, अनुशासन एवं संतुलित कार्यशैली के साथ देश सेवा करने के लिए प्रेरित किया। गौरव जोशी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं गुरुजनों को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और निरंतर समर्थन के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी।

सीएम धामी जल्द देंगे देहरादून-टनकपुर हैली सेवा को हरी झंडी

चम्पावत। को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की हवाई सेवा की सौगात, देहरादून-टनकपुर हैली सेवा शीघ्र शुरू होने जा रही हैं। चम्पावत के लिए बड़ी सौगात के रूप में अब देहरादून से टनकपुर तक की दूरी कुछ ही समय में तय की जा सकेगी। हवाई सेवाओं को सुदृढ़ एवं मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा देहरादून से टनकपुर तक हैली सेवा को शीघ्र प्रारंभ किए जाने का निर्णय लिया गया है मुख्यमंत्री धामी द्वारा इस महत्वाकांक्षी पहल को अप्रैल माह के अंत तक प्रारंभ करने की योजना है, जिससे जनपद चम्पावत सीधे राजधानी देहरादून से हवाई संपर्क से जुड़ जाएगा।इस हैली सेवा के प्रारंभ होने से जनपद के नागरिकों को त्वरित एवं सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी, वहीं पर्यटकों को भी चम्पावत पहुंचना आसान होगा। विशेष रूप से माँ पूर्णागिरि धाम में दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी और उनकी यात्रा अधिक सुविधाजनक एवं समयबद्ध हो सकेगी। यह पहल जनपद में पर्यटन को नई गति प्रदान करने के साथ-साथ आदर्श चम्पावत की परिकल्पना को साकार करने में सहायक सिद्ध होगी। साथ ही, शारदा कॉरिडोर सहित अन्य विकास परियोजनाओं को भी इससे मजबूती मिलेगी।

बाइक रपटने से लोहाघाट महाविद्यालय के दो छात्र घायल

लोहाघाट । महाविद्यालय परिसर में बाइक रपटने से महाविद्यालय के दो छात्र घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही महाविद्यालय के डॉक्टर प्रकाश लखेड़ा के द्वारा तत्काल दोनों घायल छात्रों को अपने वाहन से लोहाघाट उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों के द्वारा दोनों घायल छात्रों का उपचार किया गया।गनीमत रही दोनों छात्रों को हादसे में गंभीर चोटे नहीं आई उपचार के बाद दोनों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वही डॉक्टर प्रकाश लखेड़ा ने महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं व अन्य युवाओं से दो पहिया वाहन को सीमित गति से सुरक्षित रूप से संचालित करने की अपील की है। डॉक्टर लखेड़ा ने कहा अत्यधिक गति दुर्घटनाओं व जानलेवा हादसों को दावत देती है। उन्होंने कहा दोनों छात्र सुरक्षित है हादसे में उन्हें ज्यादा गंभीर चोटे नहीं आई।

भारी वर्षा से 27 भेड़ों की मौत पशुपालक को बड़ा नुकसान

प्रशासन मदद को आया आगे

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

लोहाघाट। चंपावत जिले में हुई मूसलाधार बारिश से लोहाघाट के बलाई क्षेत्र में डेरा डालें भेड़ पालक की ठंड लगने से 27 भेड़ों की मौत हो गई । जिससे पशुपालक को भारी नुकसान पहुंचा है। भेड़ पालक भगत सिंह चलाल, पुत्र नंदन सिंह चलाल, निवासी ग्राम वाल, पोस्ट कालिका नई बस्ती, धारचूला ने बताया वह अपनी भेड़ों को टनकपुर चारागाह से अपने मूल निवास ग्राम दारमा, धारचूला ले जा रहे थे। वह 08 अप्रैल 2026 की रात्रि में मानेश्वर के बलाई गांव के जंगल क्षेत्र में ठहरे हुए थे। इसी दौरान क्षेत्र में लगातार हुई मूसलाधार वर्षा के कारण उनकी 27 भेड़ों की मृत्यु हो गई। आज 9 अप्रैल को घटना की सूचना मिलते ही जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए राजस्व विभाग एवं पशुपालन विभाग की संयुक्त टीम को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। पशुपालन विभाग के चिकित्सक डॉ जेपी यादव व उनकी टीम के द्वारा द्वारा मौके पर पहुंचकर मृत भेड़ों का पोस्टमार्टम किया गया तथा अन्य भेड़ों का भी चिकित्सा परीक्षण किया गया।जबकि राजस्व विभाग द्वारा घटना की विस्तृत जांच की गई।

पशु चिकित्सक डॉक्टर जेपी यादव ने बताया लगातार हुई वर्षा के कारण प्रतिकूल परिस्थितियों में रात्रि के दौरान ठंड व निमोनिया से 27 भेड़ों की मृत्यु हुई है।जिलाधिकारी चंपावत मनीष कुमार के द्वारा मामले को काफी गंभीरता से लिया गया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर राजस्व विभाग द्वारा प्रभावित पशुपालक को नियमानुसार उचित मुआवजा प्रदान किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। वही बलाई के ग्राम प्रधान जीवन सिंह बिष्ट के द्वारा घटनास्थल पर जाकर भेड़ पालकों की मदद की तथा प्रशासन को सूचना दी गई। वही भेड़ पालक ने बताया उन्हें काफी ज्यादा नुकसान हुआ है उन्होंने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई । इस दौरान ग्राम प्रधान जीवन सिंह बिष्ट, राजस्व उप निरीक्षक अमित सीपाल ,सरपंच अर्जुन सिंह, डॉक्टर जे0पी 0यादव आदि मौजूद रहे

प्रभावित भेड़ पालक को प्रशासन ने दी त्वरित राहत, 96 हजार की सहायता राशि

लोहाघाट। जनपद चंपावत के लोहाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम बलाई पट्टी क्षेत्र खुना बोरा के जंगल में 08 अप्रैल 2026 को लगातार हो रही वर्षा एवं अत्यधिक ठंड के कारण एक दु:खद घटना सामने आई। धारचूला निवासी श्री भगत सिंह चलाल (पुत्र स्व. नंदन सिंह चलाल), उम्र 51 वर्ष की 27 बकरियों की ठंड के कारण मृत्यु हो गई।घटना की सूचना प्राप्त होते ही राजस्व विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की। प्रशासन द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए प्रभावित पशुपालक को 96,000 (छियानवे हजार रुपये) की राहत राशि प्रदान की गई।उपजिलाधिकारी लोहाघाट श्रीमती नीतू डागर के निर्देशन में यह राहत सहायता शीघ्र उपलब्ध कराई गई, जिससे प्रभावित परिवार को तात्कालिक सहायता मिल सकी। तो वही तत्काल सहायता के लिए भेड़ पालक के द्वारा जिलाधिकारी चंपावत व प्रशासन को धन्यवाद दिया गया है।

वरिष्ठ पत्रकार भास्कर पोखरियाल का निधन

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। वरिष्ठ पत्रकार भास्कर पोखरियाल का लंबी बीमारी के उपरांत देर रात अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन का समाचार पाते ही शोक की लहर दौड़ गई। तमाम राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं पत्रकार संगठनों ने गहरा शोक जताया। वरिष्ठ पत्रकार भास्कर पोखरियाल लंबे समय तक अमर उजाला के चीफ ब्यूरो रहे। उसके पश्चात वह दैनिक भास्कर के चीफ ब्यूरो बने और वर्तमान समय तक वह दैनिक भास्कर के लिए ही लिखते रहे। उनकी लेखनी बेहद सशक्त और दमदार थी। पिछले कुछ माह पूर्व अचानक उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। जांच में पाया गया कि उनको लीवर संबंधी दिक्कत पैदा हो गई। पहले उन्हें रुद्रपुर के मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनकी हालत चिंताजनक देखते हुए उन्हें दिल्ली के एम्स हॉस्पिटल में ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान बीती रात उनका निधन हो गया। पत्रकार पोखरियाल अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री को छोड़ गए। उनके निधन पर तमाम लोगों ने गहरा शोक जताया। इधर पोखरियाल के निधन पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक जताया। शोक व्यक्त करने वालों में विधायक शिव अरोड़ा, विधायक तिलक राज बेहड, महापौर विकास शर्मा, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा, महामंत्री मनोज छाबड़ा, संदीप राव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष हिमांशु गाबा, राजकुमार फुटेला, परमपाल सुखीजा, अनिल चौहान, राजीव चावला, दीप बेलवाल, मुकेश गुप्ता, प्रमोद ढींगरा, जगदीश चंद्र, सुनील राणा, बबलू पाल, सुरेंद्र शर्मा, तापस कुमार,अमन कुमार, नरेंद्र राठौर, ललित पांडे, रूपेश कुमार, शिवम शर्मा, कंचन वर्मा, गुरविंदर गिल तथा अधिवक्ता प्रमोद मित्तल आदि शामिल थे।

वैश्य महिला समिति के शिविर का समापन, बच्चों को मिला सम्मान

हल्द्वानी, पर्वत प्रेरणा संवाददाता। वैश्य महिला समिति द्वारा आयोजित बहुउद्देशीय निशुल्क शिविर का समापन समारोह आयोजित कर प्रतिभागी बच्चों को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि रेनू अधिकारी ने बच्चों को सम्मानित किया। इस अवसर पर रामबाबू जायसवाल ने कहा कि ऐसे सामाजिक कार्य समाज को प्रेरित करते हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता मंजू वार्ष्णेय ने की। शिविर में बच्चों को मेहंदी, ऐपण व मेकअप का प्रशिक्षण दिया गया तथा प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में समिति पदाधिकारियों व महिलाओं के सहयोग से शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।इस अवसर पर महामंत्री तनुज गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल,वैश्य महिला समिति की महामंत्री स्नेहलता गुप्ता,कोषाध्यक्ष मनोरमा खंडेलवाल, अतुल जायसवाल एवं महामंत्री कपिल अग्रहरि,प्रियंका वार्ष्णेय, पूजा गुप्ता,खुशबु गुप्ता , सोनी गुप्ता ,अन्नपूर्णा गुप्ता, ज्योति देवल, कमलेश साहू , संगीता गुप्ता, सुचित्रा जायसवाल जी, राशि जैन जी, गीतू केसरवानी जी, शशि साहू आदि उपस्थित रहीं।

जिला अस्पताल की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं पर फूटा गुस्सा, आंदोलन की चेतावनी

बागेश्वर, पर्वत प्रेरणा ब्यूरो। जिला अस्पताल की खराब स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर संघर्ष वाहिनी बागेश्वर ने कड़ा रुख अपनाते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। संगठन ने 1 अप्रैल 2026 को किए गए औचक निरीक्षण का हवाला देते हुए अस्पताल में कई गंभीर अनियमितताओं को उजागर किया है। ज्ञापन में कहा गया है कि जिला अस्पताल में चिकित्सकों की भारी कमी है। तत्काल दो नए फिजिशियन और एक एनेस्थीसिया विशेषज्ञ की नियुक्ति की मांग की गई है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि नए डॉक्टरों की नियुक्ति से पहले पुराने चिकित्सकों को कार्यमुक्त न किया जाए। संघर्ष वाहिनी ने 18 करोड़ की लागत से बनी अस्पताल की चौथी मंजिल को 18 महीने बाद भी जनता के लिए न खोले जाने पर नाराजगी जताई है और इसे शीघ्र चालू करने की मांग की है। इसके अलावा, हर वार्ड में बेड के साथ स्टूल की व्यवस्था, मरीजों को सभी दवाइयां अस्पताल से नि:शुल्क उपलब्ध कराने और बाहरी दवा व जांच पर रोक लगाने की भी मांग उठाई गई है। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के कई शौचालय बंद पाए गए, जिन्हें जल्द चालू करने की मांग की गई है। मरीजों के बैठने के लिए पर्याप्त बेंच की व्यवस्था न होना और 108 एम्बुलेंस सेवा में 1 से 2 घंटे की देरी को भी गंभीर समस्या बताया गया है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट की कमी के कारण अल्ट्रासाउंड और रक्त जांच बाहर से करानी पड़ रही है। साथ ही एक साल से बंद पड़े ऑक्सीजन प्लांट को तत्काल ठीक कराने, सीटी स्कैन तकनीशियन की नियुक्ति और खराब बेड बदलने की मांग भी की गई है। संघर्ष वाहिनी ने अस्पताल परिसर की सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए नालियों की तत्काल सफाई की मांग की है। इसके अलावा विकलांग और बुजुर्ग मरीजों के लिए पर्ची काउंटर को नियमित रूप से संचालित करने की भी अपील की गई है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी 15 सूत्रीय मांगों पर जल्द ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो वे मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में तालाबंदी कर उग्र जन आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और शासन की होगी।